5. संज्ञा

संसार की प्रत्येक वस्तु, जीव, स्थान, प्राणी का नाम होता है। यह नाम ही संज्ञा कहलाता है। संज्ञा द्‌वारा ही किसी वस्तु को पहचाना जाता है।

शिक्षण-संकेत

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका पृष्ठ 23 पर दी गई संज्ञा की पंक्तियाँ पढ़ें और बच्चों को संज्ञा की पुनरावृत्ति करवाएँ।
- ❖ पृष्ठ 23 पर दिए गए चित्र को दिखाकर पूछें, चित्र में क्या तथा कौन दिखाई दे रहा है? चित्र कहाँ का है? आदि प्रश्न पूछते हुए चित्र के साथ दी गई गतिविधि करने को कहें।
- ❖ गतिविधि करवाते हुए पूछते जाएँ, चित्र में व्यक्ति कौन-कौन हैं? वस्तु क्या-क्या है आदि। बताएँ, रिक्त स्थान में लिखे गए सभी नाम संज्ञा हैं।
- ❖ बच्चों से संज्ञा की परिभाषा पूछें। तदुपरांत किसी स्थान, वस्तु या व्यक्ति का नाम भी पूछें।
- ❖ बच्चों से आसपास की पाँच संज्ञाओं को बताने को कहें।
- ❖ पाठ पृष्ठ 24 पर दिए व्यक्तियों, वस्तुओं, स्थानों, प्राणियों तथा फल-सब्ज़ियों के नाम पढ़वाएँ।
- ❖ बच्चों को चित्रों से जुड़ी कोई विशेष बात बताकर पाठ के प्रति बच्चों की रोचकता बनाए रखें। जैसे– महात्मा गांधी हमारे देश के राष्ट्रपिता हैं। प्यार से सब उन्हें बापू कहते हैं। सायना नेहवाल हमारे देश की प्रसिद्‌ध बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। ताजमहल का स्थान विश्व के सात अजूबे या आश्चर्यों में शामिल हैं। यह सफ़ेद संगमरमर का बना हुआ है। आदि।
- ❖ संज्ञा के भेदों के बारे में बताएँ। व्यक्तिवाचक संज्ञा के बारे में समझाते हुए बताएँ कि जो शब्द किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु, स्थान के बारे में बताते हैं, वे व्यक्तिवाचक संज्ञा होते हैं। जैसे विशेष व्यक्ति– महात्मा गांधी, विशेष वस्तु– सूरज, विशेष स्थान– लालकिला आदि।
- ❖ बीच-बीच में बच्चों से बातचीत करते हुए जानें कि उन्हें ठीक प्रकार से समझ आ रहा है या नहीं।
- ❖ जातिवाचक संज्ञा समझाते हुए बताएँ, जिन शब्दों से किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान की पूरी जाति का बोध होता है, उन्हें जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे– लड़का शब्द

से सभी लड़कों का बोध होता है। गाय कहने से गाय की सभी किस्मों का बोध होता है, शहर शब्द से सभी शहरों का बोध होता है आदि।

- ❖ समझाएँ, मन में उठने वालों भावों जैसे–प्यार, क्रोध, हँसी, खुशी तथा बुढ़ापा, बचपन आदि अवस्था के नाम भी संज्ञा होते हैं। भाववाचक संज्ञा, जैसे– खुशी का भाव, गुस्से का भाव, बुढ़ापे की अवस्था आदि। बताएँ, भावों को छुआ नहीं जा सकता केवल महसूस किया जाता है।
- ❖ भिन्न-भिन्न प्रश्नों द्वारा इन भेदों को सरलता से समझाया जा सकता है।
- ❖ 'आपने सीखा' के अंतर्गत दिए पाठ के मुख्य बिंदु बच्चों से पढ़वाएँ और विषय की दोहराई करवाएँ।
- ❖ पाठ अभ्यास बच्चों से करवाएँ। यदि त्रुटि हो तो समझाते हुए त्रुटिशोधन करें।